राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम

स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से केन्द्रीय परिवर्तित योजना अन्तर्गत यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें भारत सरकार द्वारा सामग्री, औजार, उपकरण एवं स्वयं सेवी संगठनों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु अनुदान राशि केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा 75:25 के अनुपात में वहन करती है।

राष्ट्रीय अन्धता नियंत्रण कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य राज्य में अंधता के 2.24 प्रतिशत (1976) को घटा कर 0.34 प्रतिशत लाना है। वर्तमान में राज्य में अंधता की दर 1% है।

विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. मोतियाबिन्द ऑपरेशनः–

राज्य के मेडिकल कॉलेजों, जिला चिकित्सालयों, स्टेटिक सेन्टर्स, अनियतकालीन कैम्पों तथा आई मोबाईल यूनिट्स के माध्यम से मोतियाबिन्द ऑपरेशन किये जाते हैं। यह ऑपरेशन सूदूर गाँवों में उनके घर के नजदीक हो सकें, इसके लिये प्रत्येक जिले में एम.आर.एस को कैम्प लगाने की अनुमति दे दी गई है। राज्य में 85 एन.जी.ओ. को निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करने हेतु अधिकृत किया गया है। मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु रू0 1000/– प्रति ऑपरेशन की दर से अनुदान राशि दी जाती है।

वर्ष	नेत्र ऑपरेशन हेतु लक्ष्य	किये गये मोतियाबिन्द नेत्र ऑपरेशन	लक्ष्य का प्रतिशत	नेत्र शिविरो की संख्या
2011–12	2,85,000	281761	98.86	2948
2012–13	3,00,000	259126	86.38	2248
2013–14	3,00,000	225454	75.15	1869
2014–15	3,00,000	230154	76.12	1568
2015–16 Up to May. 15	3,00,000	25940	8.65	176

2. अन्य नेत्र सम्बन्धी बीमारियाँ –

स्वंय सेवी संस्थाओ द्वारा संचालित प्राईवेट अस्पतालों में आँखों की अन्य मुख्य बीमारियों की चिकित्सा में प्रोत्साहन हेतु वर्ष 2012–13 से भारत सरकार द्वारा डायबिटिक रेटिनोपैथी केस रू0 1500/– ग्लूकोमा रू0 1500/– लेजर टैक्निक व कॉर्नियल ट्रन्सप्लान्टेशन रू0 5000/– विक्ट्रो रू0 5000/– तथा चाइल्ड ब्लाइण्डनेस रू0 1500/– देने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए स्वंय सेवी संस्थाओ व प्राईवेट अस्पतालों के माध्यम से उक्त योजना का लाभ जन–सहयोग को देने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

3. आई बैंक सेवायेंः–

सरकारी व निजी क्षेत्रों में कुल मिलाकर 23 आई बैंक कार्यरत हैं, सरकारी क्षेत्र में 9 आई बैंकों में से 5 आई बैंक कार्यरत है एवं गैर सरकारी क्षेत्र में 14 आई बैंको में से 5 आई बैंक कार्यरत है। वर्ष 2013–14 में 1313 नेत्र संग्रहित किये गयें। बैक को प्रति नेत्र जोडे के संग्रहण पर राशि रू0 2000/– की अनुदान राशि भारत सरकार द्वारा दी जाती है।

सरकारी क्षेत्र में कार्यरत आई बैंक	निजी क्षेत्र में कार्यरत आई बैंक
Indira Gandhi Eye Bank, Ajmer Medical College	Ram snehi Bank, Bhilwara
Patal Eye Bank Bikaner Medical College	Shah Satnam Eye Bank, Gurusar Modiya, Ganganagar
SMS Hospital & Medical College Jaipur	Jagdamba Eye Bank
Mathura Das Mathur Hospital, Jodhpur Medical College	Eye Bank Society of Rajasthan
MBS Hospital & Medical College Kota	Global Hospital Institute of Ophthalmology

वर्ष	लक्ष्य	कुल नेत्र संग्रहण	प्रतिशत	केरेटोप्लास्टी	अनुसंधान में ली गई ऑखे	अन्य गतिविधियॉ
2011–12	2000	1412	70.60	503	290	619
2012–13	2000	1502	75.10	664	328	510
2013–14	2100	1313	62.52	512	244	557
2014–15	2100	1367	65.09	558	201	608
2015–16 Up to May. 15	2100	191	9.09	84	22	85

* अन्य गतिविधियॉ= Th. Keretoplasty+Eye Send to Other Bank+Eyes Unfits for use

4. स्कूली बच्चों को चश्माः–

सरकारी स्कूलों में 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों की दृष्टिजांच कर दृष्टिदोषित बच्चों को चश्मों का निःशुल्क वितरण किया जाता है। स्कूल आई स्क्रीनिंग का कार्य रजिस्टर्ड एनजीओं के माध्यम से जिलों में सम्पादित किया जाता है। जहॉ पर रजिस्टर्ड एनजीओ कार्य नही कर रहे है वहॉ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा नेत्र सहायको के माध्यम से कार्य सम्पादित करवाया जाता है।

वर्ष	जांच किये गये बच्चों की संख्या	रिफ्रेक्टिव एरर	वितरित किये गये चश्मों का विवरण		
			लक्ष्य	उपलब्धि	प्रतिशत
2011–12	318553	17560	9000	12934	143.71
2012–13	279611	18234	33000	14914	45.19
2013–14	246703	25654	33000	14744	44.68
2014–15	236797	21049	33000	19460	58.97
2015–16 Up to May. 15	3350	67	9000	67	0.20

नोटः– वर्ष 2015–16 में स्कूल आई स्क्रीनिंग कार्यकम माह सितम्बर से चालू होगा।

5. ट्रेनिंगः–

राज्य में ऑफ्थेल्मिक सर्जन्स, पैरा मेडिकल स्टॉफ को नेत्र सम्बन्धी नवाचारों से अवगत कराने हेतु ट्रेनिंग कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। भारत सरकार द्वारा नेत्र विशेषज्ञों को एसआईसीएस/ फैको/ ईसीसीई/ ग्लूकोमा/ आई बैकिग एण्ड कॉर्नियल ट्रांसप्लांटेशन/इनडाईरेक्ट ऑफ्थेम्लोजी/लॉ विजन आदि प्रशिक्षण दिया जाता है। इस वर्ष 4 नेत्र चिकित्सकों को फेको व अन्य प्रशिक्षण दिलवाये जा चुके है।

Year	ECCE/SICS/Phaco	Others	Total
2010	0/3/1 = 4	0	4
2011	0/4/5 = 9	0	9
2012	2/0/5 =7	1	8
2013	1/1/2 = 4	1	5
2014-15	0/2/4=6	0	6
2015-16	0/3/2=5	0	5
Total	**35**	**2**	**37**
Grand Total			**35**

6. निजी नेत्र ईकाईयों का सुदृढ़िकरणः–

निजी नेत्र ईकाईयों के सुदृढ़िकरण हेतु 30 लाख रू. की नॉन–रेकरिंग ग्रान्ट मंजूर की जाती है। वर्ष 2013–14 में एक एन.जी.ओ. तारा संस्थान, उदयपुर को सुदृढ़िकरण हेतु प्रथम किस्त दी जा चुकी है व द्वितीय किस्त की कार्यवाही प्रकियाधीन है।

7. मेडीकल कॉलेजों का सुदृढ़िकरणः–

वर्ष 2011–12 में जयपुर व अजमेर मेडीकल कॉलेज को 40–40 लाख रूपये दिये गये थे जिनसे उन्होंने विक्टाट्रोमी मशीन व आपरेटिंग माइक्रोस्कोप क्रय किये है। जोधपुर, झालावाड़ व कोटा मेडीकल कॉलेजों को फेको मशीन उपलब्ध करवाई गई है।

8. जिला अस्पतालों का सुदृढ़िकरणः–

वर्ष 2011–12 में 12 जिला अस्पतालों व 2 उप जिला अस्पतालों को फेको मशीन उपलब्ध करवाई गई है। 8 जिला अस्पतालों, 2 उप जिला अस्पतालों व 2 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप दिये गये है। वर्ष 2012–13,13–14 एवं 14–15 में भारत सरकार से नॉन रेकरिंग ग्राड इन एड मद में प्राप्त नही हुआ है।

9. विजन सेन्टर :–

भारत सरकार द्वारा प्रति वर्ष विजन सेन्टर स्थापित करने हेतु राशि उपलब्ध कराई जाती है। अभी तक 107 विजन सेन्टर खोले जा चुके हैं।

वर्ष 2014–15 में 96 नेत्र सहायकों की भर्ती प्रकियाधीन है।

10. प्रचार–प्रसार कार्यक्रमः–

राज्य में नेत्रदान का प्रोत्साहन करने एवं नेत्रों के प्रति सजगता के लिये प्रचार–प्रसार का कार्यक्रम टीवी, समाचार पत्रों, रैली आयोजन, संगोष्ठियों आदि के माध्यम से किया जाता है। प्रतिवर्ष अक्टूबर माह के द्वितीय गुरूवार को विश्व दृष्टि दिवस एवं 8 मार्च से 14 मार्च तक ग्लूकोमा सप्ताह मनाया जाता है। इस वर्ष नेत्रदान पखवाड़ा (25 अगस्त से 8 सितम्बर तक) समाचार पत्रों में नेत्र दान विज्ञापन व एफएम रेडियों पर नेत्र दान स्लोगन द्वारा प्रचार प्रसार किया गया है। इसके अतिरिक्त जिला अस्पतालों पर नेत्र दान संबंधी फ्लेक्स सीट (होर्डिंग के लिए) भिजवाई गई है।

सभी मेडीकल कॉलेजों में प्रर्दशनी भी आयोजित की गई थी।

11. वित्तीय स्थितिः–

(राशि लाखो में)

वर्ष	आवंटन राशि	प्राप्त राशि	व्यय की गई राशि	प्रतिशत
2011–12	1176.00	709.50	1057.42	149.03
2012–13	1100.00	1129.05	965.34	85.50
2013–14	1346.00	448.93	741.90	165.26
2014–15	1500.00	1125.00 +375.00	1357.19	90.48
2015–16 (मई 2015 तक)	–	–	19.52	–